rojgar with ankit

History

⇒ 1670 - सिंहगढ़ किला को जीता, सूरत को लूटा।
1670 - Won Sinhagad fort, looted Surat.
↳ पुराना नाम: कोंढाना Old name: Kodhana
↳ अभियान: तानाजी मालसुरे + इनके भाई सूर्या जी मालसुरे
Campaign: Tanaji Mal Sure + His brother Surya ji Malsure

⇒ 1674 - राज्याभिषेक: छत्रपति एवं हैंदव की उपाधि धारण की।
1674 - Coronation: Took the title of Chhatrapati and Handav.

⇒ शिवाजी को "Father of Indian Navy" कहा जाता है।
↳ Lead: दरिया सारंग Darya Sarang

⇒ छत्रपति शिवाजी द्वारा लगाए गए कर:- Taxes imposed by Chhatrapati Shivaji:-

विजित राज्यों में उपज का 1/4 ⇓ 25%
1. चौथ कर Chauth kar 1/4 Tax
2. सरदेश मुखी Sardesh Mukhi 1/10 Tax ⇓ अन्य आय

अष्टमंडल (मंत्रियों का समूह)
↳ निर्माण → प्रशासनिक कार्यों में परामर्श के लिए।

⇒ 16 June 1674 ई० / AD को शिवाजी की माता जीजाबाई की मृत्यु हो गयी।

⇒ सरंजामी प्रथा का सम्बंध मराठा भू-राजस्व से है।

⇒ मोडी लिपि का प्रयोग मराठा लेखों में किया जाता था।
Script

⇒ शिवाजी की मृत्यु ⇒ 1680 ई० / AD, रायगढ़ के किले में।

⇒ शिवाजी का अष्टमण्डल :- Ashtamandal of Shivaji

1. पेशवा :- सबसे प्रमुख पद (प्रशासन का प्रमुख)
   Peshwa :- Most important post (head of administration)
2. सर-ए-नौबत :- सेनापति Sar-e-Naubat :- Commander
3. मअमुआ दार (आमात्य) :- आय-व्यय का लेखा जोखा।
   Mamua Dar (Amatya) :- Account of income-expenditure.
4. वाकयानवीस :- गुप्तचर विभाग Narrator :- Intelligence Department
5. शुरुनवीस :- पत्राचार Beginners :- Correspondence
6. दबीर (सुवंत) :- विदेश मंत्री Dabir (Sugant) :- Foreign Minister
7. सदर (पंडितराव) :- दान धार्मिक Sadar (Panditrao) :- Charity Religious
8. न्यायाधीश Judge

⇒ शिवाजी महाराज ने अपनी मृत्यु से पूर्व अपने उत्तराधिकारी की घोषणा नहीं की थी।

⇒ इसीलिए मराठा साम्राज्य में आंतरिक फूट पड़ी।

⇒ शिवाजी ⇒ दो-पत्नियां

(1) सोयराबाई
⇓
पुत्र ⇒ राजाराम

(2) साईबाई निबालंकर
⇓
पुत्र : शंभाजी
⇓
ज्येष्ठ / बड़े पुत्र

Note :- शिवाजी ने अपने पुत्र शंभाजी के व्यवहार से दुखी होकर 1678 ई० / AD में पन्हाला के दुर्ग में नजरबंद किया।

शिवाजी की इच्छानुसार उनके पुत्र राजाराम को (10 वर्षीय) उत्तराधिकारी घोषित किया गया।

⇒ शंभाजी में शिवाजी महाराज का बड़ा पुत्र उत्तराधिकारी

उत्तराधिकार युद्ध
डसौलिस वास्तविक
राजाराम Vs शंभाजी
⇓
जीत हुई।

⇒ शंभाजी (20 July 1680) को रायगढ़ी पर बैठा
⇓
(1680-1689)
→ पत्नी ⇒ येशुबाई
→ पुत्र ⇒ शाहू

⇒ छत्रपति शिवाजी के बाद में उत्तराधिकारी Successor after Chhatrapati Shivaji

2nd छत्रपति : शम्भा जी महाराज (1680-89) : (साईबाई के पुत्र)
2nd Chhatrapati : Shambhaji Maharaj (1680-89) : (Son of Saibai)
→ पिता : शिवाजी राज० रायगढ़

⇒ अकबर को शरण दी। (गनोजी शिर्के) (विश्वासघाती) [1681 में]
Gave refuge to Akbar. (Ganoji Shirke)

औरंगजेब का पुत्र ⇓ इसने पिता के विरुद्ध विद्रोह

सलाहकार : कवि कलश (विद्वान) Consultant: Kavi Kalash

⇒ बुध भूषण + नखशिख की रचना शम्भा जी महाराज ने की।
Budh Bhushan + Nakhashakh was Composed by Shambhaji Mahanaj.

⇒ औरंगजेब के सेनापति मुकरब खाँ ने फरवरी 1689 में संगेश्वर के पास स्थित नावड़ी गांव में मराठा राजा शंभाजी और उनके सलाहकार कवि कलश को परिवार सहित बंदी बना लिया।

⇒ 11 March 1689 को बड़ी निर्दयता से इनकी हत्या कर दी

⇒ शंभाजी के पुत्र शाहू जी को कैद कर लिया।

⇒ औरंगाबाद का किला लूटा और हुसैन अली को हराया था।
Looted the fort of Aurangabad and defeated Hussain Ali.

⇒ 1689 में हत्या औरंगजेब ने करवा दी।
Aurangzeb got the murder done in 1689.

⇒ शम्भाजी के बेटे : शाहूजी (औरंगजेब की कैद में रहे)
Shambhaji's Son: Shahuji (remained in Captivity of Aurangzeb)

⇒ शम्भाजी ने अष्टछाप को समाप्त कर दिया था
Shambhaji had abolished Ashtachhap

3rd छत्रपति : राजाराम (1689-1700)

3rd Chhatrapati : Rajaram (1689-1700)

⇒ माता : सोयराबाई Mother : Soyrabai

⇒ पत्नी : ताराबाई Wife : Tarabai

⇒ राजधानी : सतारा Capital:- Satara

शाहू जी का प्रतिनिधि (Representative)

⇒ प्रतिनिधि पद का सृजन।

रायगढ़ → जिंजी ⇓ 1698 ⇒ मराठों की राजधानी

Policy ⇓ सैनिक जागीर

येशुबाई ⇓ शंभाजी की पत्नी।